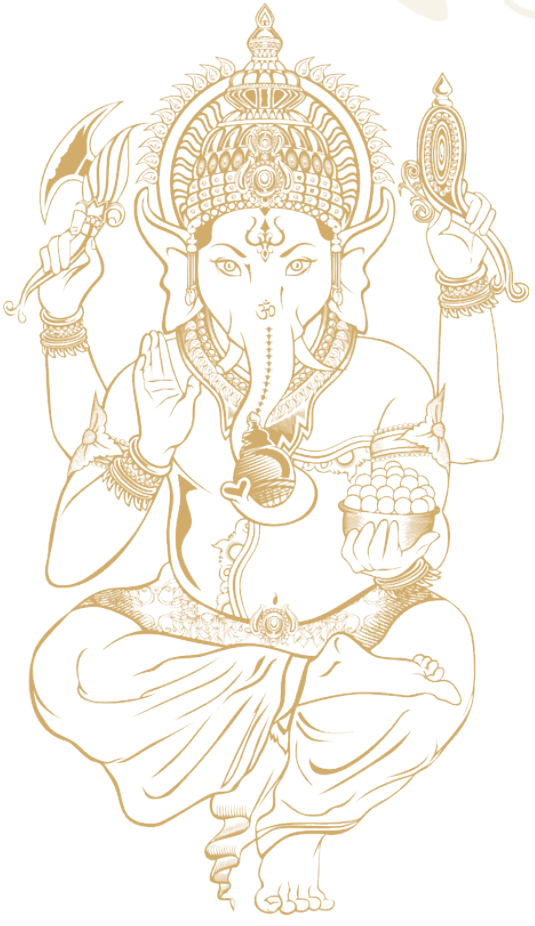

Mr. Sourabh

Ms.Aakansha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119753811

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
09/05/1991	जन्म तिथि	31-01/08/1998
गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 12:40:00	जन्म समय	01:20:00 घंटे
घटी 16:52:06	जन्म समय(घटी)	48:13:46 घटी
India	देश	India
Udaipur	स्थान	Udaipur
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	24:36:00 उत्तर
73:47:00 पूर्व	रेखांश	73:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:52	स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:55:09	सूर्योदय	06:02:29
19:07:24	सूर्यास्त	19:19:35
23:44:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:07

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 15वर्ष 3मा 1दि		28:24:14	कर्क	लग्न	वृष	08:41:21	राहु 2वर्ष 6मा 21दि	
बुध		24:26:04	मेष	सूर्य	कर्क	14:33:52	शनि	
09/08/2025		20:37:17	कुंभ	चंद्र	तुला	18:06:13	21/02/2017	
10/08/2042		26:18:07	मिथु	मंगल	मिथु	23:09:07	21/02/2036	
बुध	06/01/2028	28:43:59	मीन	बुध व	सिंह	04:24:36	शनि	24/02/2020
केतु	02/01/2029	12:09:42	कर्क	गुरु व	मीन	03:54:53	बुध	04/11/2022
शुक्र	03/11/2031	06:31:32	मिथु	शुक्र	मिथु	20:53:15	केतु	13/12/2023
सूर्य	09/09/2032	13:03:04	मक	शनि	मेष	09:35:55	शुक्र	12/02/2027
चन्द्र	08/02/2034	28:36:00	धनु व	राहु व	सिंह	08:40:23	सूर्य	25/01/2028
मंगल	05/02/2035	28:36:00	मिथु व	केतु व	कुंभ	08:40:23	चन्द्र	25/08/2029
राहु	25/08/2037	19:53:44	धनु व	हर्ष व	मक	17:01:47	मंगल	04/10/2030
गुरु	01/12/2039	22:54:51	धनु व	नेप व	मक	06:43:17	राहु	10/08/2033
शनि	10/08/2042	25:16:26	तुला व	प्लूटो व	वृश्चि	11:31:32	गुरु	21/02/2036

लग्न-चलित

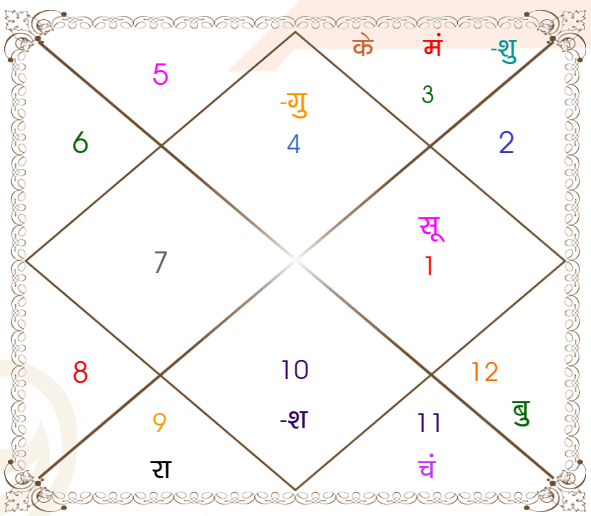

लग्न-चलित

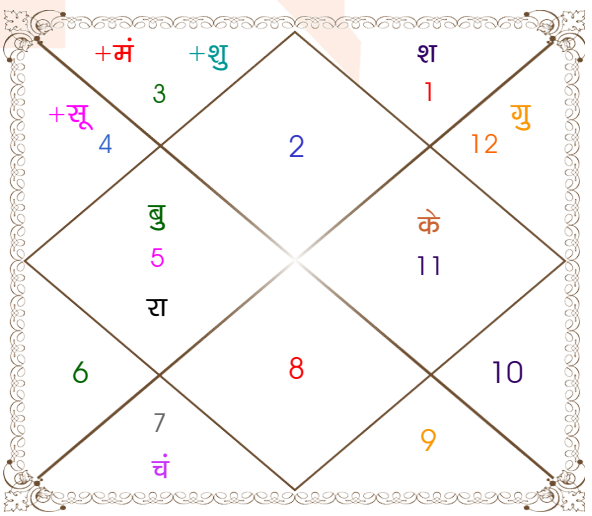

Krishna jyotish paramarsh Kendra (पूज्य दादा गुरु पण्डित स्व:किशन लाल जोशी की स्मृती में)
4 shanti ni ketan society bedala badgaon link road Udaipur Rajasthan
पण्डित गिरधारी जोशी पंडित भूपेंद्र जोशी
9571652706 9414829758
jbhupendrajoshi@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	महिष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ैवनतंइी का वर्ग मेष है तथा Ms.Aakansha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ैवनतंइी और Ms.Aakansha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ैवनतंइी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डतण्ैवनतंइी कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Aakansha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.Aakansha कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ै वनतंइी तथा Ms.Aakansha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।